Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 26-07-2006

Participants : Aditya Nath Shri

an>

Title : Need to bring a comprehensive legislation banning cow slaughter in the country.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदया, अपनी सरलता और उपयोगिता के कारण गोवंश की महत्ता प्रायः सभी सभ्य देशों में न्यूनाधिक रूप से ि वद्यमान है। भारत जैसे धर्म-परायण एवं कृि प्रधान देश में तो जननी और जन्मभूमि के समान लोक वंदनीय माता के रूप में गौ और गोवंश की महत्ता अनादिकाल से लौकिक और पारलौकिक सभी दृटियों से सुप्रतिठित है, जिसकी झलक धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे चारों पुरुार्थों में सेवा से सफलता देने वाली गौ की विशेाताओं में देखी जा सकती है। यह कितनी विडम्बनापूर्ण बात है कि राम, कृण, बुद्ध, महावीर और गांधी के देश में प्रतिदिन 29,500 से अधिक गोवंश विभिन्न बूचड़खानों में या कसाइयों के हाथों अथवा अन्य स्थानों में मौत के घाट उतार दिये जाते हैं।

भारतीय जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड ने भारतीय नस्ल की गोवंश के सम्बन्ध में जो आंकड़े दिये हैं, वे गोवंश के निरन्तर ह्रासमान दुखद स्थिति की ओर हमारा ध्यान आकर्ति करते हैं। भारतीय गोवंश की 22 प्रजातियों में से 6 प्रजातियां समाप्त हो चुकी हैं और तीन प्रजातियां समाप्ति की ओर हैं। 1951 में जहां 1000 व्यक्तियों पर गोवंश का अनुपात 426 था, वहीं 1991 तक पहुंचते-पहुंचते यह संख्या मात्र 216 रह गई है। गौ ए वं गोवंश की महत्ता को ध्यान में रखकर अक्टूबर, 2005 में देश के माननीय उच्चतम न्यायालय ने गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने का समर्थन किया था।

अतः मेरा देश के इस सर्वोच्च सदन के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी से अनुरोध है कि देश की संसद सम्पूर्ण गोवंश की हत्या पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने वाले सार्वदेशिक प्रभाव वाला कानून बनाये।